

पशुपालन में होगा उद्यमिता विकास, मिलेगा रोजगार

लखनऊ। पशुपालन विभाग की ओर से ग्रामीण इलाके में लघु उद्यमिता विकास पर जोर दिया जा रहा है। विभाग की ओर से युवाओं एवं महिलाओं को बकरी, भेड़, सूकर पालन से वैज्ञानिक तरीके से जोड़ने की योजना बनाई गई है। इसके लिए लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 17 व 18 जून को मंथन किया जाएगा।

प्रदेश में सरकार खेती से जुड़े लघु एवं मध्यम उद्योग को बढ़ाने के लिए अलग-अलग परियोजनाएं शुरू कर रही है। दूध उत्पादन सहित अन्य उद्यमों में यूपी की 14 से 15 फीसदी तक हिस्सेदारी है। ऐसे में पशुपालन विभाग की ओर से युवाओं

17 व 18 जून को रोजगार के विभिन्न विकल्पों पर होगा मंथन

एवं महिलाओं को बकरी, भेड़, सूकर पालन से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की रणनीति तैयार की गई है। इसके तहत पशुपालन विभाग ने 17 एवं 18 जून को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में यूपी स्मॉल लाइव स्टॉक कॉन्क्लेव का आयोजन किया है। इस दौरान पशुओं के स्वास्थ्य, चारा विकास, पशु उत्पादों का मूल्य संवर्धन, बकरी दूध का व्यावसायिक नवाचार, वैज्ञानिक तरीके से चारा विकास, वित्त एवं बीमा एवं सरकारी योजनाएं आदि पर चर्चा की जाएगी। पशुपालकों के लिए

कम लागत में ज्यादा मुनाफा



ग्रामीण इलाके में छोटे पशुओं का पालन करके कम लागत में अधिक

मुनाफा कमाया जा सकता है। कोशिश है कि बकरी, भेड़, सूकर आदि के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं चल रही हैं। लोगों को जब पशुपालन के वैज्ञानिक तरीके की जानकारी होगी तो उन्हें किसी तरह का घाटा नहीं होगा बल्कि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमा सकेंगे। इसके विभिन्न पहलुओं पर दो दिन मंथन किया जाएगा।

-मुकेश कुमार मेश्राम, अपर मुख्य सचिव, पशुधन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य पालन विभाग

नई योजनाएं तैयार की जाएंगी। ब्यूरो